भारत सरकार
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1231
जिसका उत्तर मंगलवार 28 जुलाई, 2015 को दिया जाना है

इंस्ट्रूमेंटेशन लिमिटेड का पुनरुद्धार

1231. श्री एम० बी० राजेश:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को इंस्ट्रूमेंटेशन लिमिटेड के पुनरुद्धार के संबंध में परामर्शी की रिपोर्ट और सिफारिशें प्राप्त हुई हैं;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसमें वर्णित मुख्य सिफारिशें क्या हैं;
(ग) क्या सरकार ने इन सिफारिशों को स्वीकृत किया है और इस संबंध में कोई कार्यवाही प्रारंभ की गई है; और
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो क्या कारण हैं?

उत्तर
भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री
(श्री जी. एम. सिद्देश्वर)

(क): जी, हां। "इंस्ट्रूमेंटेशन लिमिटेड की पलक्कड़ इकाई का सृजन आईएलके की स्वतंत्र इकाई के रूप में करने के लिए व्यवहार्यता अध्ययन" के लिए इंस्ट्रूमेंटेशन लिमिटेड (आईएलके) द्वारा इंस्टिट्यूट ऑफ पब्लिक एंटरप्राइजेज (आईपीई), हैदराबाद को परामर्शदाता के रूप में नियुक्त किया गया था। परामर्शदाता की रिपोर्ट आईएलके द्वारा सरकार को भेज दी गई थी और यह प्राप्त हो गई है।

(ख): मुख्य सिफारिशों में आईएलके की पलक्कड़ और कोटा, दोनों इकाइयों को भारी उद्योग विभाग के अधीन एक-साथ रखना शामिल है। इसके अतिरिक्त, उल्लेखनीय है कि आईएल की कोटा इकाई में से पलक्कड़ इकाई को स्वतंत्र इकाई के रूप में पृथक करना हानिकर होगा।

(ग) और (घ): सरकार मैसर्स आईएलके के भविष्य के संबंध में निर्णय करने के लिए विभिन्न विकल्प तलाश रही है।

*****